भारत सरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र ।

साल-25, क्रमांक :- 059/2017/मंग. समय अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 25-07-2017

बीते सप्ताह का मौसम (19 से 25 जुलाई, 2017)

सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल रहे। 20 जुलाई को 12.6 मि.मी, 21 जुलाई को 3.6 मि.मी, 23 जुलाई को 7.6 मि.मी, 24 जुलाई को 16.0 मि.मी तथा 25 जुलाई को 7.6 मि.मी वर्षा संस्थान की वैधशाला मे दर्ज की गई। दिन का अधिकतम तापमान 32.0 से 37.2 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 34.1 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 23.2 से 27.0 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 26.8 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 79 से 96 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 54 से 88 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 6.7 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 6.1 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 6.6 कि.मी प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 6.8 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 4.1 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 6.6 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न तथा अपराह्न को हवा पूर्व दिशा से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	26-07-17	27-07-17	28-07-17	29-07-17	30-07-17
वर्षा (मि.मी.)	6.0	1.0	15.0	15.0	14.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	35	37	35	34	33
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	27	28	28	28	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	7	8	7	7	8
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	95	90	95	95	95
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	65	60	65	65	65
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	13	13	11	08	08
हवा की दिशा	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम
साप्ताहिक संचयी वर्षा (मि.मी.)	51.0				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 30 जुलाई, 2017 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसान भाई धान के खेतों में मेड़ बनाने का कार्य करें। मेडें चोडी तथा ऊँची होनी चाहिए ताकि वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके।
2. जिन किसान भाईयों की धान की फसल 20-25 दिन की हो गई हो तो नत्रजन उर्वरक 30- 40 किलोग्राम/हैक्टर की दर से खेत में डालें
3. धान की फसल मे यदि पौधों का रंग पीला पड रहा हो तथा पौधे की ऊपरी पत्तियाँ पीली और नीचे की हरी हो तो इसके लिए जिंक सल्फेट(हेप्टा हाइडेट्र 21%) 6.0 किग्रा/हैक्टर की दर से 300 लीटर पानी में घोल बनाकर स्प्रे करें।

4. वर्षा के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हूये किसान भाईयो को सलाह है कि मक्का की बुवाई मेंडों पर करें। संकर किस्में ए एच-421 व ए एच-58 तथा उन्नत किस्में पूसा कम्पोजिट-3, पूसा कम्पोजिट-4,बीज की मात्रा 20 किलोग्राम/हैक्टर रखें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60-75 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 18-25 से.मी. रखें। मक्का में खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राजिन 1 से 1.5 किलोग्राम/हैक्टर 800 लीटर पानी में घोल कर मौसम साफ होने पर छिड़काव करें ।
5. किसान भाईयों को सलाह है कि बाजरे (किस्में-संकर बाजरा पूसा-605, संकर बाजरा पूसा-415, संकुल बाजरा पूसा-383, एच.एस.वी-67) की बुवाई करें। बीज को उपचारित करना आवश्यक है विशेष रूप से अरगट एंव डाउनी मिल्ड्यू रोग के रोकथाम के लिए 10 % नमक के घोल में बीजों को भिगो दें तथा ऊपर आये हुए खराब व हल्के बीजों को निकालकर फेंक दें इसके उपरांत बीजों को रिड़ोमिल दवाई 2.0 ग्राम/किलोग्राम की दर से उपचारित करे ताकि बीज जनित रोग खत्म हो जाय़ें।
6. किसान भाई इस समय मूगं व उडद की बुवाई करें तथा बीज किसी प्रमाणित स्रोत से खरीदें।
7. यदि कपास में रस चूसने वाले कीटों तथा मिली बग का प्रकोप दिखाई दे तो प्रभावित पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें | साथ ही कीट की निगरानी हेतु फिरोमोन प्रपंश 2-3 प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगाएं। यदि कीटों की सख्याँ अधिक हो तो बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड़ कीटनाशक 0.5 मि.ली./ली .पानी में मिलाकर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें। कीटों की निगरानी तथा बचाव के लिए फेरोमोन ट्रेप का उपयोग कर सकते है।
8. यह समय चारे के लिए ज्वार की बुवाई के लिए उप्युक्त हैं अतः किसान भाई पूसा चरी-9, पूसा चरी-6 या अन्य सकंर किस्मों की बुवाई करें। बीज की मात्रा 40 किलोग्राम/हैक्टर रखें ।
9. जिन किसान भाईयों की टमाटर, हरी मिर्च, बैंगन व अगेती फूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेंडों (ऊथली क्यारियों) पर करें तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।
10. इस मौसम में किसान ग्वार (पूसा नव बहार, दुर्गा बहार), मूली (पूसा चेतकी), लोबिया (पूसा कोमल), भिंडी (पूसा ए-4), सेम (पूसा सेम 2, पूसा सेम 3), पालक (पूसा भारती), चौलाई (पूसा लाल चौलाई, पूसा किरण) आदि फसलों की बुवाई के लिए खेत तैयार हो तो बुवाई ऊँची मेंड़ों पर कर सकते हैं। बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें।
11. कद्दूवर्गीय एवं अन्य सब्जियों में मघुमक्खियों का बडा योगदान है क्योंकि, वे परांगण में सहायता करती है इसलिए जितना संभव हो मघुमक्खियों के पालन को बढ़ावा दें। कीड़ों एवं बीमारियों की निरंतर निगरानी करते रहें, कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क रखें व सही जानकारी लेने के बाद ही दवाईयों का प्रयोग करें। फल मक्खी से प्रभावित फलों को तोड़कर गहरे गड्डे में दबा दें, फल मक्खी के बचाव हेतू खेत में विभिन्न जगहो पर गुड़ या चीनी के साथ मैलाथियान) 10%) का घोल बनाकर छोटे कप या किसी और बरतन में रख दें ताकि फल मक्खी का नियंत्रण हो सके।
12. कद्दूवर्गीय सब्जियों में बेलों को ऊपर चढाने की व्यवस्था करे ताकि वर्षा से सब्जियों की लताओं को गलने से बचाया जा सके तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।
13. किसान भाई वर्षाकालीन प्याज की पौध की रोपाई इस समय कर सकते है।
14. गेदें के फूलों की (पूसा नारंगी) पौध छायादार जगह पर तैयार करें तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखे।
15. इस मौसम में किसान भाई स्वीट कोर्न (माधुरी, विन ओरेंज) तथा बेबी कोर्न (एच एम-4) की बुवाई मेड़ों पर कर सकते हैं।
16. वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसान भाई खडी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई-गुड़ाई का कार्य शीघ्र करें।
17. फलों (आम, नीबू तथा अमरुद) के नऐ बाग लगाने के लिए अच्छी गुणवत्ता के पौधों का प्रबन्ध करके इनकी रोपाई शीघ्र करें।

कृषि सलाहकार एककदिल्ली तथा कृषिविभाग दिल्ली वैज्ञानिक 'डी'

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

ई -मेल : 1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।

2. कृषिएवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न॰ 610 फैक्स न॰ 23710106 ।

3. कृषिदर्शन मण्डी हाऊस कमरा न॰ 801 फैक्स न॰ 23097571 ।